लोक संस्कृति से ही होगा नये भारत का उदय:सोलंकी 15-07-2017

राज्यपाल प्रोफेसर कप्तान ङ्कसह सोलंकी ने किया भारत मानचित्र के सांस्कृतिक प्रतिभा खोज एवं सम्मान समारोह का शुभांरभ,राज्यपाल ने किया देश के जाने माने कलाकरों को सम्मानित,थानेसर ब्लॉक के कलाकारों की कला को खुब सराहा,करीब 1000 कलाकारों का डाटा हुआ एकत्रित,लोक गीत और संगीत से बदली धर्मनगरी की फिजा

कुरुक्षेत्र 15 जुलाई राज्यपाल प्रोफेसर कप्तान सिंह सोलंकी ने कहा कि भारत सरकार के प्रयासों से भारत एक भारतीय एक के कथन की तरफ धीरे-धीरे आगे बढ़ रहा है। एक नये भारत का निर्माण करने के लिए लोक संस्कृति का विकसित होना बहुत जरूरी है,क्योकि लोक संस्कृति के माध्यम से ही नये भारत का उदय संभव है। इसलिए लोक संस्कृति को विकसित करने के लिए भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय ने भारत का सांस्कृतिक मानचित्र योजना को अमलीजामा पहनाने का कार्य किया है। इतना ही नहीं भारत सरकार ने इस योजना के लिए 470 करोड रुपए का बजट भी तय किया है।

राज्यपाल प्रोफेसर कप्तान सिंह सोलंकी शनिवार को मैक के प्रांगण में संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार, उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र पटियाला,जिला प्रशासन व विद्या भारती संस्कृति शिक्षा संस्थान के सहयोग से आयोजित भारत का सांस्कृतिक मानचित्र के तहत थानेसर की सांस्कृतिक प्रतिभा खोज एवं सम्मान समारोह कार्यक्रम का शुभांरभ करने के दौरान बोल रहे थे। इससे पहले राज्यपाल प्रोफेसर कप्तान सिंह सोलंकी सांस्कृतिक मंत्रालय भारत सरकार के सयुंक्त सचिव प्रणव खुल्लर, भारत सांस्कृतिक मानचित्र की राष्ट्रीय कमेटी के सदस्य डॉ. रामेन्द्र सिंह,अतिरिक्त उपायुक्त पार्थ गुप्ता,एनजेडसीसी पटियाला के निदेशक फुरकान खान,आरएसएस के प्रदेश विभाग प्रचारक नरेन्द्र ने थानेसर ब्लॉक के कलाकारों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस दौरान थानेसर ब्लाक से ग्रामीण आंचल की महिलाओं ने परंपरागत लोक गीतो और जंगमजोगियों ने शिव की महिमा का गुणगान कर राज्यपाल का स्वागत किया। इसके बाद राज्यपाल ने दीप शिखा प्रज्जवलित कर विधिवत रूप से कार्यक्रम का शुभांरभ किया। इस कार्यक्रम में राज्यपाल ने विश्व विख्यात पदमश्री वसीफुद्दीन डागर, विश्व विख्यात कत्थक नृत्यंागना नलिनी कमलिनी, राज्य पुरस्कार सम्मानित विश्व विख्यात गायक सरदूल सिकन्दर को शाल व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

राज्यपाल ने भारत सांस्कृतिक मानचित्र योजना के लिए सांस्कृतिक मंत्रालय भारत सरकार के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए कहा कि भारत बेशक राजनीतिक दृष्टि से आजाद हो गया है,लेकिन सांस्कृतिक दृष्टि से अभी आजादी बाकी थी। लेकिन भारत सरकार के प्रयासों से अब देश की सांस्कृति को मजबूत करने के प्रयास शुरू कर दिए गए है। जब देश की संस्कृति समृद्ध होगी तभी नवीन भारत का सपना पूरा हो सकेगा। कुरुक्षेत्र की पावन धरा पर 5 हजार 153 वर्ष पूर्व भगवान श्री कृष्ण ने गीता के संदेश के माध्यम से जीवन शैली के बारे में बताने का प्रयास किया। भारत की प्राचीन संस्कृति पूरी दुनिया में निराली है। इस सांस्कृति का पूरी दुनिया अनुसरण कर रही है। क्योकि भारत की ही संस्कृति ऐसी है जो पूरे विश्व को एक सूत्र में पिरो सकती है और सभी समस्याओं का निदान कर सकती है।

उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने प्राचीन संस्कृति को पंचायत स्तर, ब्लाक स्तर, जिला, राज्य और राष्ट्र स्तर पर विकसित करने के लिए 470 करोड़ रुपए का बजट तय किया है। इससे कलाकारों व छिपी प्रतिभाओं को एक मंच मिलेगा। जब कलाकार एकत्रित होंगे तो निश्चित ही कला के माध्यम से देश की सम्पूर्ण संस्कृति का विकास होगा। जिससे देश को नई दिशा और नई पहचान मिलेगी। राष्ट्रीय कमेटी के सदस्य डॉ. रामेन्द्र सिंह ने मेहमानों का स्वागत करते हुए कहा कि भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के प्रयासों से देश के 5 ब्लाकों में से थानेसर ब्लॉक का चयन पायलेट प्रोजेक्ट के तहत किया गया है। इस कार्यक्रम को सफल

बनाने के लिए सभी ने सांझे प्रयास किए है। इस कार्यक्रम में भारत सरकार संस्कृति मंत्रालय के संयुक्त सचिव प्रणव खुल्लर, पदमश्री वसीफुद्दीन डागर, विश्व विख्यात कत्थक नृत्यंागना नलिनी कमलिनी, राज्य पुरस्कार सम्मानित विश्व विख्यात गायक सरदूल सिकन्दर ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इस कार्यक्रम के अंत में संयुक्त सचिव प्रणव खुल्लर व डॉ. रामेन्द्र सिंह ने राज्यपाल को स्मृति चिन्ह भेंट किया इसके अलावा सभी मेहमानों को भी शाल व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर पुलिस अधीक्षक अभिषेक गर्ग,आरएसएस के सह विभाग प्रमुख डॉ. प्रीतम सिंह,जिला परिषद के चेयरमैन गुरदयाल सनहेडी,भाजपा के जिलाध्यक्ष धर्मबीर मिर्जापुर,हरियाणा कला परिषद के वाईस चेयरमैन सुदेश शर्मा, मैक के मुख्य सलाहकार महेश जोशी,अतिरिक्त मुख्य सलाहकार संजय बसीन, एनजेडसीसी से भूपेन्द्र सिंह, राधेश्याम, रविन्द्र शर्मा, राजेश बसी,महासचिव रविन्द्र सांगवान,महासचिव सुशील राणा, केडीबी सदस्य मदन मोहन छाबडा, उपेन्द्र सिंघल, सौरभ चौधरी, विजय नरूला, राजेन्द्र जोशी, केसी रंगा, डॉ.सूचिसुमिता पूर्व सचिव एनके सिन्हा,निर्मल वैध, गिरीश जोशी आदि मौजूद थे।

एवं
जुलाई 2017
जिला प्रशासन, कुरुक्षेत्र

प्रतिभा खोज
एवं

"भारत का सांस्कृतिक मानचित्रण"
Cultural Mapping of India

संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार
का देशव्यापी अभियान
"भारत का सांस्कृतिक मानचित्रण"
Cultural Mapping of India
सांस्कृतिक प्रतिभा खोज
एवं
सम्मान समारोह
थानेसर-कुरुक्षेत्र

भारत सरकार